CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

▫ वर्ष- 29 ▫ अंक- 132 ▫ रायपुर, शुक्रवार 5 जून 2026 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

ब्रेकिंग न्यूज

बैज के 'लाठी' वाले बयान पर सीएम साय का पलटवार, कहा- मुद्दाविहिन कांग्रेस लगा रही है गलत आरोप

बिलासपुर, 5 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के 'भाजपा लाठी के दम पर शासन कर रही है' बयान पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पलटवार किया है.

उन्होंने कहा कि कांग्रेस मुद्दा विहीन हो चुकी है, इसलिए गलत आरोप लगा रही है. किसी भी तरह के अपराध होने पर उसकी जांच होती है. एक्शन लिया जा रहा है। नगरीय निकायों और त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के परिणाम को लेकर सीएम साय ने बयान दिया. उन्होंने कहा कि तीन नगर पंचायत में भाजपा के अध्यक्ष और पार्षदों की जीत हुई है. नवनिर्वाचित उम्मीदवारों और इन चुनावों में पसीना बहाने वाले कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री साय ने बधाई दी।

पूर्व भाजपा नेता अन्नामलाई ने किया नई पार्टी का एलान, कहा- आज से हम एक आंदोलन शुरू करने जा रहे

नई दिल्ली, 5 जून (न्यूज चैनल)। पूर्व तमिलनाडु भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा देने के बाद अपनी नई राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह एक नए राजनीतिक आंदोलन की शुरुआत कर रहे हैं, जो आगे चलकर एक नई पार्टी का रूप लेगा। सोशल मीडिया एक्स के जरिए जनता को संबोधित करते हुए अन्नामलाई ने कहा कि आज से एक नया रास्ता, एक नया आंदोलन और एक नई राजनीतिक यात्रा शुरू हो रही है।

चूहा- सुनती हो, एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में अमीर लोगों की संख्या बढ़ गई है।

चुहिया- हां जी, भ्रष्टाचार बढ़ता है तो अमीरों की संख्या बढ़ती ही है..!

विकास के नाम पर पेड़ो का विनाश

- सिहावा चौक से कोलियारी, रत्नाबांधा चौक से मुजगहन तक 9.4 किमी का होगा फोरलेन निर्माण, कटेंगे 13 सौ से अधिक पेड़
- सालों से जिस पेड़ की छांव ठंडी हवा लेते रहे उसे आंखो के सामने कटते देख उदास हो रहे लोग

आशीष जैन

धमतरी, 5 जून (हाईवे चैनल)। आज विश्व पर्यावरण दिवस है। एक ओर जहां दुनिया भर में लोग पर्यावरण संरक्षण व पेड़ो के बचाव की शपथ व संकल्प ले रहे है वहीं दूसरी ओर धमतरी में सैकड़ो पेड़ो पर कुल्हाड़ी चल रही है। आज का दौर आधुनिकता का दौर है। यहां विकास को पर्यावरण से ज्यादा तवज्जों दिया जाता है। विकास के नाम पर पेड़ो का विनाश भी हो रहा है। ऐसी ही स्थिति इन दिनों धमतरी में है जहां विकास के शोर में सालों पुरानी वृझो की बर्बादी का दर्द सुनाई नहीं दे रहा है।

बता दे कि धमतरी शहर के भीतर दो फोरलेन का निर्माण होना है। शासन से स्वीकृति मिल चुकी है। नेताओं, अधिकारियों द्वारा भूमिपूजन किया जा चुका है, लेकिन इससे पूर्व ही चौड़ी सड़क बनाने पेड़ो की कटाई हो रही है। धमतरी शहर में रत्नाबांधा चौक से लेकर मुजगहन तक 4.4 किमी लंबी फोरलेन सड़क का निर्माण 44 करोड़ की लागत से होगा। वहीं सिहावा चौक से कोलियारी तक 5 किमी लंबी फोरलेन सड़क की लागत 59 करोड़ होगी। इन सड़कों का चौड़ीकरण भी आवश्यक है, लेकिन चौड़ीकरण व बेहतर यातायात की सुविधा के नाम पर पेड़ो की बलि चढ़ाना लोगो को रास नहीं आ रहा है। बता दे कि 9.4 किमी लंबी फोरलेन सड़क हेतु 13 सौ से अधिक पेड़ चिन्हाकित किये गये है जो कि काटे जायेंगे। पेड़ो की कटाई कई दिनों पहले से हो रही है। अब तक कई पेड़ काटे जा चुके है। और कई काटे जायेंगे। उक्त मार्ग पर सालों से व्यापार करने वाले कामगार व निवासियों में पेड़ो की कटाई को लेकर उदासी छाई हुई है। उनके अनुसार वे सालों से इन पेड़ो की छांव और ठंडी हवाओं के साये में रहे है। अब जब यह पेड़ धराशायी किये जा रहे है तो उन्हें आत्मीय पीड़ा हो रही है। उन्हें यह अहसास हो रहा है कि अब भविष्य में कभी उन्हें इन पेड़ो का आश्रय नहीं मिल पायेगा। पेड़ो पर चलते कुल्हाड़ी का वार उनके मन को चोटिल कर रहा है। लेकिन वे विकास की आवश्यकताओं को भी समझ रहे है। इसलिए चाहकर भी पेड़ो की कटाई नहीं रोक पा रहे है।

10 गुणा लगाये जायेंगे पौधे: पेड़ो की कटाई के संबंध में शहरवासी अमित ठाकुर, विकास साहू ने कहा कि बड़ी मात्रा में पेड़ो की कटाई सड़क निर्माण के नाम पर हो रही है। जबकि शासन प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए कि कम से कम पेड़ काटे जाये। और यदि विकास के लिये पेड़ काटने आवश्यक ही हो तो जितने पेड़ काटे जा रहे है। उनके संख्या के 10 गुणा अधिक पौधे लगाये जाये साथ ही इन पौधो को लगाकर लावारिश हालत में न छोड़ा जाये जब तक पौधे बड़े होने लायक न हो जाये उनकी देखरेख व पशुओं आदि से सुरक्षा भी सुनिश्चित हो। इस संबंध धमतरी डीएफओ श्रीकृष्ण जाधव ने बताया कि लगभग 13 सौ पेड़ काटे जाएंगे। और नियमानुसार काटे जाने वाले पेड़ो की संख्या से 10 गुणा अधिक पौधे लगाएंगे। जिनके लिए जगह के चिन्हांकन की प्रक्रिया जारी है।

ट्रांस प्लांटेशन पद्धति का प्रयोगकर पेड़ो को काटने के बजाये स्थानातंरित करे: स्थानीय निवासी अंकित सिन्हा, विनय देवांगन ने कहा कि पेड़ो की कटाई हमारी व आने वाली पीढ़ियों के लिये घातक है। इसलिए ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि पेड़ो को काटा न जाये बल्कि जिस प्रकार विदेशो में पेड़ो को काटने के बजाय ट्रांस प्लांटेशन पद्धति का उपयोग कर पेड़ो को एक से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित किया जाता है। यहां भी ऐसा होना चाहिए। पेड़ो की कटाई आज के बदलते पर्यावरणीय परिवेश में स्वयं के नुकसान के समान है।

पेड़ो के कटाई के है अनेक नुकसान: लगातार हो रही पेड़ों की अंधाधुंध कटाई पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि जंगलों और हरित क्षेत्रों में कमी आने से जलवायु परिवर्तन की समस्या तेजी से बढ़ रही है, जिसका सीधा असर मानव जीवन, वन्य जीवों और प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ रहा है। पेड़ों की कटाई के कारण वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ रही है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग और तापमान में वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही वर्षा चक्र प्रभावित हो रहा है, जिससे सूखा और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं की संभावना बढ़ जाती है। पर्यावरणविदों के अनुसार पेड़ मिट्टी को बांधकर रखने का कार्य करते हैं। उनकी कटाई से मिट्टी का कटाव बढ़ता है और कृषि भूमि की उर्वरता प्रभावित होती है। वहीं वन्य जीवों का प्राकृतिक आवास नष्ट होने से जैव विविधता पर भी खतरा मंडरा रहा है। पेड़ों की संख्या घटने से वायु प्रदूषण बढ़ता है क्योंकि पेड़ वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। इसके अलावा भूजल स्तर में गिरावट, गर्मी में वृद्धि तथा मानव स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है।

दो पेड़ पीपल व बरगद का होगा ट्रांस प्लांटेशन: डीएफओ श्रीकृष्ण जाधव ने बताया कि ट्रांस प्लांटेशन प्रक्रिया के तहत पेड़ो के जीवित रहने की संभावना काफी कम रहती है। पीपल व बरगद ऐसे पेड़ है जो विपरीत हालात में भी संघर्षशील होते है शहर में बनने वाले दो फोरलेन सड़क के तहत कटने वाले में दो पेड़ो पीपल व बरगद का ट्रांस प्लांटेशन अन्य जगहो पर किया जायेगा। इसके लिए देशी प्रक्रिया अपनाई जाएगी क्योकि ट्रांस प्लांटेशन के लिए उपयोग में आने वाली मशीन छत्तीसगढ़ में नहीं है।

ईवी शोरूम में भयानक आग से कई वाहन जलकर राख

ऊपर फंसे लोगों को सीढ़ी और रस्सियों से निकाला

नई दिल्ली, 5 जून (न्यूज चैनल)। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में शुक्रवार सुबह एक इलेक्ट्रिक वाहन शोरूम में लगी आग ने इलाके में हड़कंप मचा दिया। हादसा लसूड़िया इलाके के खालसा चौक के पास स्थित एक बहुमंजिला इमारत में हुआ, जहां ग्राउंड फ्लोर पर शोरूम और ऊपर आवासीय फ्लैट बने हुए थे। सुबह करीब 7 बजे अचानक शोरूम से धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। उस समय ऊपरी मंजिलों पर रहने वाले लोग अपने घरों में सो रहे थे। कुछ ही देर में धुआं फ्लैटों तक पहुंच गया, जिससे लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगी और वे घबराकर बाहर निकलने का प्रयास करने लगे। जब लोगों ने नीचे देखा तो पाया कि आग ने नीचे के हिस्से और सीढ़ियों को अपनी चपेट में ले लिया है।

चश्मदीदों ने बताया कि शोरूम के बगल में बनीं सीढ़ियां भी आग और धुएं की जद में आ गईं जिससे ऊपरी मंजिलों पर रहने वाले लोग नीचे नहीं उतर पा रहे थे। चीख-पुकार सुनकर पड़ोस की एक बहुमंजिला इमारत के निवासी सहायता के लिए आगे आए। उन्होंने आग में फंसे लोगों को छत पर पहुंचने के लिए कहा, फिर दोनों इमारतों के बीच सीढ़ियां जोड़कर अस्थायी रास्ता तैयार किया गया। चश्मदीदों ने बताया कि कुछ लोग सीढ़ियों के सहारे पड़ोस के भवन की छत तक पहुंचे, जबकि कुछ व्यक्तियों को रस्सियों की मदद से सुरक्षित नीचे उतारा गया।

सूरजपुर में पकड़ाया एक बस गांजा, पुलिस वाले भी रह गए दंग, 2 करोड़ से ऊपर है कीमत

सूरजपुर, 5 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक लग्जरी बस से करीब 2 करोड़ रुपये मूल्य का गांजा बरामद किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक यात्री बस के जरिए बड़ी मात्रा में गांजा ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने जयनगर थाना क्षेत्र के सिलफिली इलाके में बस को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति के सामान की जांच की गई, जिसमें छिपाकर रखा गया गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से बस चालक को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गांजे की खेप मध्यप्रदेश के कटनी जिले तक पहुंचाई जानी थी। पुलिस के अनुसार बरामद गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये है। इस कार्रवाई को जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस अब तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है।

मंत्री रामलिंगा के इस्तीफे के बाद डैमेज कंट्रोल में जुटे सीएम शिवकुमार, बोले- उनकी बात सुनी जाएगी

नई दिल्ली, 5 जून (न्यूज चैनल)। कर्नाटक सरकार में विभागों के बंटवारे के बाद पैदा हुआ राजनीतिक विवाद अब कांग्रेस नेतृत्व के लिए बड़ी चुनौती बनता दिख रहा है। मंत्री रामलिंगा रेड्डी के इस्तीफे के बाद से ही सरकार डैमेज कंट्रोल की कोशिश में जुट गई है। इसी बीच मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और मंत्री प्रियांक खरगे के बयान भी सामने आए हैं। उन्होंने साफ किया है कि पार्टी इस मामले को बातचीत से सुलझा लेगी। कांग्रेस नेतृत्व अब इस पूरे विवाद को शांत करने में जुट गया है ताकि सरकार और संगठन दोनों पर इसका असर न पड़े। दरअसल, हाल ही में कर्नाटक मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा किया गया था। इस दौरान रामलिंगा रेड्डी को जल संसाधन विभाग की जिम्मेदारी दी गई। सूत्रों के मुताबिक, रेड्डी इस फैसले से संतुष्ट नहीं थे और वह बंगलूरू विकास विभाग की उम्मीद कर रहे थे।

कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से हाईकोर्ट का इनकार, भारत रवाना हुए संस्थापक अभिजीत दीपके

नई दिल्ली, 5 जून (न्यूज चैनल)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उस याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें पुलिस को शनिवार को जंतर-मंतर पर व्यंग्यात्मक संगठन 'कॉकरोच जनता पार्टी' द्वारा प्रस्तावित हड़ताल के मद्देनजर सभी प्रवेश गलियारों पर भीड़ नियंत्रण उपाय लागू करने के निर्देश देने की मांग की गई थी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब मुख्य न्यायाधीश के संस्थापक अभिजीत दिपके शनिवार को प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने के लिए अमेरिका से भारत आ रहे हैं, जिसके लिए पार्टी ने अनुमति नहीं ली है। सेव इंडिया फाउंडेशन द्वारा दायर याचिका का उल्लेख न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी और अमित शर्मा की अवकाशकालीन पीठ के समक्ष किया गया। एनजीओ के वकील ने अदालत से याचिका पर आज सुनवाई करने का आग्रह किया, हालांकि पीठ ने इस पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

पत्नी पर शक में ढाई साल के बेटे की हत्या, दोषी पिता को हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत, आजीवन कारावास की सजा बरकरार

बिलासपुर, 5 जून (हाईवे चैनल)। पत्नी पर संदेह करते हुए ढाई साल के बेटे की हत्या करने वाले का आजीवन कारावास हाईकोर्ट ने बरकरार रखा है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने कहा कि अपराध बेहद गंभीर है और दोषी को राहत नहीं दी जा सकती। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा, जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे दुर्ग निवासी योगेश टंडन की सजा निलंबन और जमानत के लिए दायर याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि अपराध की प्रकृति, उसकी गंभीरता, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और उपलब्ध साक्ष्यों को देखते हुए इस स्तर पर न तो सजा निलंबित की जा सकती है और न ही जमानत दी जा सकती।

दरअसल, आरोपी को संदेह था कि बच्चा उसका जैविक पुत्र नहीं है और वह पत्नी के चरित्र पर भी शंका करता था। इसी वजह से पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। 27 जुलाई 2022 को दोनों के बीच झगड़ा हुआ, जिसके बाद पत्नी मायके चली गई। उस समय ढाई साल के बच्चे सहित तीन और बच्चे आरोपी की देखरेख में ही घर पर थे। इसी बीच ढाई साल के बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया। सुनवाई के बाद दुर्ग के प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने 10 अप्रैल 2024 को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 500 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

आरोपी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सजा निलंबन और जमानत की मांग की थी। आरोपी की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता को झूठा फंसाया गया है। मामले में कोई प्रत्यक्षदर्शी साक्ष्य नहीं है और पूरा अभियोजन परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है। उन्होंने दलील दी कि आरोपी 28 जुलाई 2022 से जेल में है तथा अपील की अंतिम सुनवाई निकट भविष्य में संभव नहीं है, इसलिए सजा निलंबित कर जमानत दी जानी चाहिए। राज्य की ओर से शासकीय अधिवक्ता ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी ने अपने ही ढाई वर्षीय बेटे की हत्या की। मेडिकल रिपोर्ट स्पष्ट रूप से मृत्यु का कारण गला घोंटना बताती है। घटना के समय बच्चा आरोपी की अभिरक्षा में था, इसलिए अप्राकृतिक मृत्यु की परिस्थितियों का स्पष्टीकरण देने का दायित्व भी उसी पर था। मामले की सुनवाई के बाद डिवीजन बेंच ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट हत्या की पुष्टि करती है। आरोपी बच्चे की मौत के कारणों को संतोषजनक ढंग से स्पष्ट नहीं कर सका। ऐसे में सजा निलंबन और जमानत देने का कोई मामला नहीं बनता।

CMYK